



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

26 श्रावण 1945 (श10)

(सं० पटना 683) पटना, बृहस्पतिवार, 17 अगस्त 2023

सं० 10 / Subway-16-01/2023-4053 / न०वि०एवंआ०वि०,  
नगर विकास एवं आवास विभाग

संकल्प

12 अगस्त 2023

विषय :-बिहार संग्रहालय से पटना संग्रहालय को जोड़ने वाले सब-वे निर्माण योजना के पुनरीक्षित प्राकलन  
रु० 542,00,00,000/- (पाँच सौ बयालीस करोड़ रु० मात्र) की स्वीकृति के संबंध में।

बिहार संग्रहालय एवं पटना संग्रहालय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के दो महत्वपूर्ण स्थल हैं। इनके बीच सड़क मार्ग से आवागमन में व्यस्त यातायात के कारण पर्यटकों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सब-वे के निर्माण होने से बिहार संग्रहालय एवं पटना संग्रहालय के बीच विश्व स्तरीय आधुनिक भूमिगत सम्पर्कता प्रदान की जा सकेगी, जिससे इन दोनों महत्वपूर्ण स्थलों के भ्रमण में लोगों को सुविधा होगी साथ ही बिहार की कला-संस्कृति एवं ऐतिहासिक विरासत से लोग सुविधाजनक ढंग से परिचित हो सकेंगे।

- (2) विभागीय संकल्प ज्ञापांक-1974 दिनांक-02.05.2022 के द्वारा पटना संग्रहालय से बिहार संग्रहालय तक टनल सब-वे निर्माण योजना की प्रशासनिक स्वीकृति रु० 373,00,00,000/- (तीन सौ तिहत्तर करोड़ रु० मात्र) पर दी गयी थी। तत्पश्चात् योजना के क्रियान्वयन हेतु दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के साथ दिनांक-07.01.2023 को द्विपक्षीय एकरारनामा संपादित किया गया है। नगर विकास एवं आवास विभाग के साथ सम्पादित एकरारनामा में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को इस कार्य के निविदा निष्पादन हेतु पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गयी है।
- (3) एकरारनामा के पश्चात् दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन में निहित सिविल कार्यों में निविदा योग्य कार्यों, जिसके लिए सन्निहित राशि रु० 300,54,00,000/- (तीन सौ करोड़ चौवन लाख रु० मात्र) थी, के लिए दिनांक-23.02.2023 को निविदा प्रकाशित की गयी। निविदा की प्री-बीड बैठक में कुल सात निविदादाता उपस्थित हुए थे परन्तु केवल एक निविदादाता द्वारा निविदा समर्पित की गई।
- (4) दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन, भारत सरकार एवं केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निदेशों के तहत निविदा निष्पादन का कार्य करता है। इस मामले में प्राप्त एकल निविदा को तकनीकी मूल्यांकन में सफल पाया गया, जिसके कारण इसके वित्तीय निविदा को खोला गया। वित्तीय निविदा खोलने पर यह पाया गया कि निविदादाता द्वारा डाली गई निविदा निर्धारित मूल्य से 44.56% अधिक थी। अतः निविदा समिति द्वारा इस पर अंतिम निर्णय हेतु

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के सक्षम प्राधिकार, प्रबंध निदेशक, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को इसे निर्णायक भेजा गया।

- (5) प्रबंध निदेशक, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्राप्त एकल निविदा को निम्नांकित कारणों से रद्द करते हुए पुनः नये सिरे से राशि आकलन करते हुए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने तथा सिविल एवं अन्य कार्यों के लिए पुनः आकलित कर आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई करने का निदेश दिया :-
- (i) सब-वे निर्माण योजना हेतु विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन वर्ष 2022 में तैयार किया गया था जो दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा पूर्व से किये जा रहे पटना मेट्रो के लिए स्वीकृत/अनुमोदित विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन जो वर्ष 2018 का था, के आधार-मूल्य पर तैयार किया गया था। सिविल कार्यों हेतु की गयी निविदा में तीन वर्षों का कोरोना काल होने के कारण दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा बाजार दर में वृद्धि का सही-सही आकलन नहीं किया जा सका था।
- (ii) 8 मीटर व्यास के सुरंग की खुदाई का पूर्व अनुभव नहीं होने के कारण इस परियोजना हेतु टनल निर्माण के लिए निर्धारित 8 मीटर व्यास में प्रयोग किये जाने वाले टनल बोरिंग मशीन के बाजार दर से दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन पूर्णतः अनभिज्ञ था, जिस कारण तैयार विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन में इस हेतु निर्धारित राशि अपेक्षाकृत कम रह गयी थी। साथ ही 8 मी० व्यास के टनल सब-वे निर्माण के लिए विशेष प्रकार के टनल बोरिंग मशीन एवं उसके आवश्यक पार्ट्स की आवश्यकता होती है जिसे ऑर्डर पर प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- (iii) टनल बोरिंग मशीन की क्षमता सामान्यतः 5 से 6 किलोमीटर खुदाई करने की होती है, परन्तु इस टनल की लम्बाई लगभग 1.5 किलोमीटर है जिसमें मशीन की क्षमता का मात्र 25% ही उपयोग में आयेगा। इसके कारण निविदादाता के लिए प्रकाशित निविदा में निर्धारित राशि काफी कम थी। फलतः प्राप्त एकल निविदा में यह 44.56% अधिक था।
- (6) वर्णित टनल सब-वे की चौड़ाई 6.1 मीटर रखने के प्रावधान के आलोक में 8 मीटर बाहरी व्यास के टनल बोरिंग मशीन अनुभाग की आवश्यकता थी। यह मेट्रो कार्य में उपयोग की जाने वाली टनल बोरिंग मशीन सुरंग का सामान्य खण्ड नहीं होने के कारण इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा सुरंग कार्यों में अनुभव रखने वाली विभिन्न एजेंसियों से सम्पर्क किया गया, जिसमें M/s L & T, M/s HCC, M/s Herren Knecht और M/s CRCHI से 8 मीटर व्यास वाली सुरंग की दरें प्राप्त की गईं। प्राप्त दरों के आधार पर टनल बोरिंग मशीन के औसत मूल्य पर पुनः पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार करने की आवश्यकता महसूस की गयी, तदनुसार रु० 542,00,00,000/- (पाँच सौ बयालीस करोड़ रु० मात्र) के अनुमानित मूल्य का पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार कर उपलब्ध कराया गया।
- (7) योजना के पुनरीक्षित प्राक्कलन पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के परियोजना निदेशक द्वारा तकनीकी अनुमोदन प्रदान किया गया है। इस योजना के कार्यान्वयन से बिहार संग्रहालय एवं पटना संग्रहालय के बीच विश्व स्तरीय आधुनिक भूमिगत सम्पर्कता प्रदान की जा सकेगी।
- (8) योजना के लिए स्वीकृत राशि का प्रबंध राज्य योजना मद से किया जायेगा। राशि की प्रस्तावित व्यय विवरणी निम्नवत् है -

(राशि रूपया में)

क्र० सं०	वित्तीय वर्ष	वर्षवार व्यय की जाने वाली कुल राशि
1	2023-24	100,00,00,000/-
2	2024-25	221,00,00,000/-
3	2025-26	221,00,00,000/-
कुल योग		542,00,00,000/-

- (9) अतः सम्यक विचारोपरांत बिहार संग्रहालय से पटना संग्रहालय को जोड़ने वाले सब-वे निर्माण योजना के पुनरीक्षित प्राक्कलन रु० 542,00,00,000/- (पाँच सौ बयालीस करोड़ रु० मात्र) की स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाती है।

(10) उक्त प्रस्ताव पर दिनांक-08.08.2023 को सम्पन्न राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक के मद संख्या- 09 के रूप में स्वीकृति प्राप्त है।

**आदेश :-** आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय एवं इसकी प्रति सरकार के सभी अपर मुख्य सचिव/सभी प्रधान सचिव/सभी सचिव/सभी प्रमण्डलीय आयुक्तों/जिला पदाधिकारियों/महालेखाकार, बिहार, पटना को सूचनार्थ भेजी जाय।

आदेश से,—

सुनील कुमार यादव,  
सरकार के अपर सचिव।

---

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण)683-571+200-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>